भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
व्यय विभाग

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या – 1208

सोमवार, 11 दिसंबर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)

स्थानीय निकायों हेतु प्रारंभिक अनुदान की किस्त को रोकना

1208. कुंभकुडी **सुधाकरन:**

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार निर्धारित सीमा से अधिक खर्च नहीं की गई राशि से संबंधित एक नया खंड शुरू करके राज्यों में स्थानीय निकायो के लिए प्रारंभिक अनुदान की किस्त रोक रही है;
ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें कौन-सा विशिष्ट खंड जोड़ा गया है और कितनी निर्धारित राशि विनिर्दिष्ट की गई है;
ग) क्या निधि को इस प्रकार से रोकना वित्त आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के विपरीत है; और
घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (घ): जी नहीं, वर्तमान में, पूर्व में जारी किए गए अनुदानों की अव्ययित राशि के कारण स्थानीय निकायों को जारी अनुदानों पर रोक लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

14 वें वित्त आयोग ने जल आपूर्ति, स्वच्छता सहित सेप्टेज प्रबंधन, सिवरेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, तूफान के पानी की निकासी, सामुदायिक संपत्ति का रखरखाव, सड़कों, फुटपाथों और स्ट्रीट- लाईटिंग का रखरखाव तथा कब्रगाह और श्मशान घाटों सहित मूलभूत नागरिक सेवाएं प्रदान करने अथवा सुधारने के लिए नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों के लिए स्थानीय निकायों के अनुदान की सिफारिश की थी। इन अनुदानों का उद्देश्य उनके क्षेत्राधिकार में रहने वाली आबादी की जीवन स्थिति को सुधारना था।

तथापि, यह देखा गया कि कुछ स्थानीय निकायों ने वर्षों तक अपने बैंक खातों में निधियों को जमा रखा था जिससे इन अनुदानों का उद्देश्य विफल हो गया और नागरिक बुनियादी सेवाओं से वंचित हो गए। इसलिए, विभिन्न नागरिक सेवाओं को सुधारने के लिए 14वें वित्त आयोग द्वारा अनुसंशित अनुदानों की उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए यह निर्णय लिया गया कि केवल उन मामलों में जहाँ 14वें वित्त आयोग का अव्ययित शेष विचाराधीन किस्त के 10 प्रतिशत से कम है, उन स्थानीय निकायों को नए सिरे से अनुदान जारी करने के लिए नोडल मंत्रालयों को प्रस्तावों की सिफारिश की सलाह दी गई। इसका स्थानीय निकायों की गतिविधियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिससे इच्छित उद्देश्य के लिए इन निधियों के उपयोग में तेज वृद्धि हुई।

*****